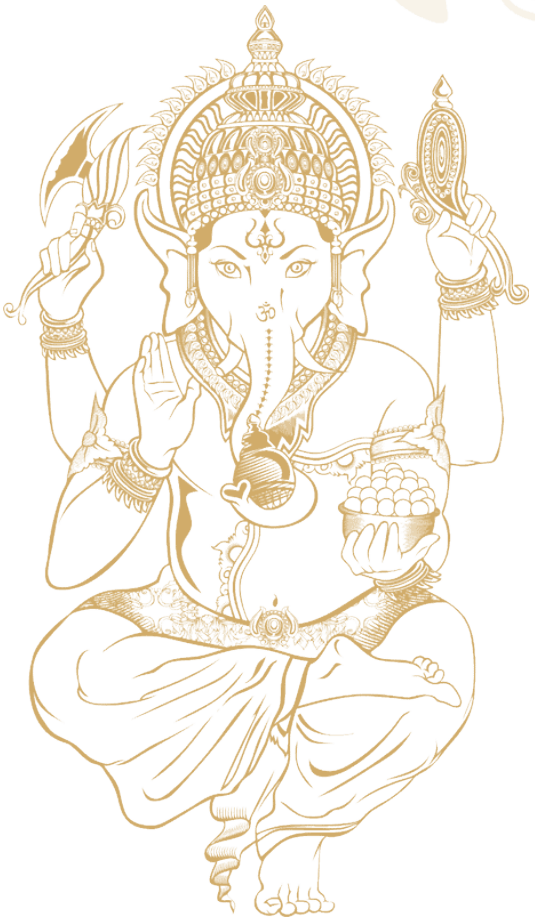

Mr. sidharth sharma

14 Jan 1988

06:00 AM

Mandal

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120554902

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
13-14/01/1988	जन्म तिथि	**13/01/2025**
बुध-गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	17:39:47 घंटे
घटी 56:41:12	जन्म समय(घटी)	25:50:40 घटी
India	देश	India
Mandal	स्थान	Mandal
उत्तर 25:29:00	अक्षांश	25:29:00 उत्तर
पूर्व 74:38:00	रेखांश	74:38:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:19:31	सूर्योदय	07:19:30
18:01:10	सूर्यास्त	18:01:12
23:41:25	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:25

धनु	लग्न	मिथुन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
तुला	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	पुनर्वसु
राहु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	2
शूल	योग	वैधृति
वणिज	करण	बव
ता-तरुण	जन्म नामाक्षर	को-कोमल
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार
37	गत/तत्कालिक वर्ष	38

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मूल	3	08:59:57	धनु		
उत्तराषाढ़ा	1	29:21:09	धनु		
स्वाति	4	19:43:59	तुला		
अनुराधा	2	09:53:28	वृश्चि		
श्रवण	1	12:33:16	मक		
रेवती	4	27:32:44	मीन		
धनिष्ठा	4	04:17:46	कुंभ		
मूल	1	03:15:04	धनु		
पू०भाद्रपद	4	01:35:42	मीन	व	
उ०फाल्गुनी	2	01:35:42	कन्या	व	
मूल	2	04:43:50	धनु		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	25:34:05	2	पुनर्वसु
सूर्य			धनु	29:21:09	1	उत्तराषाढ़ा
चंद्र			मिथु	23:59:35	2	पुनर्वसु
मंगल	व		कर्क	03:02:40	4	पुनर्वसु
बुध			धनु	13:09:05	4	मूल
गुरु	व		वृष	17:52:51	3	रोहिणी
शुक्र			कुंभ	16:28:57	3	शतभिषा
शनि			कुंभ	21:21:43	1	पू०भाद्रपद
राहु	व		मीन	05:29:43	1	उ०भाद्रपद
केतु	व		कन्या	05:29:43	3	उ०फाल्गुनी
मु		अ	मक	08:59:57	4	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:25

लग्न-चलित

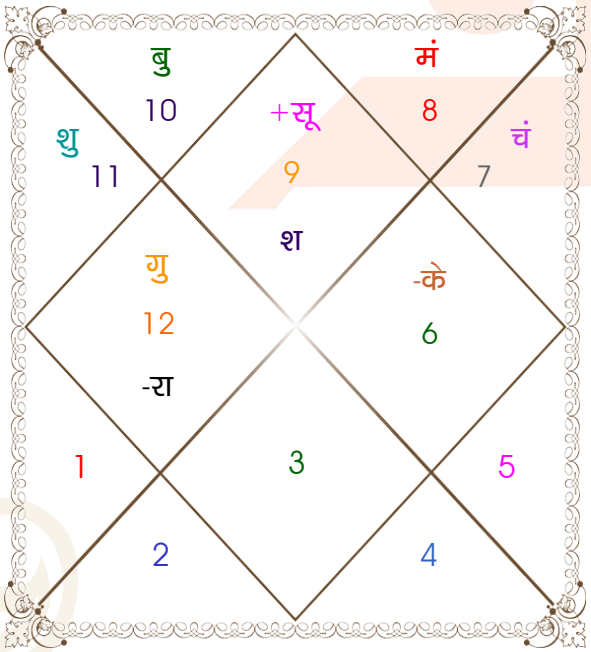

वर्ष लग्न कुंडली

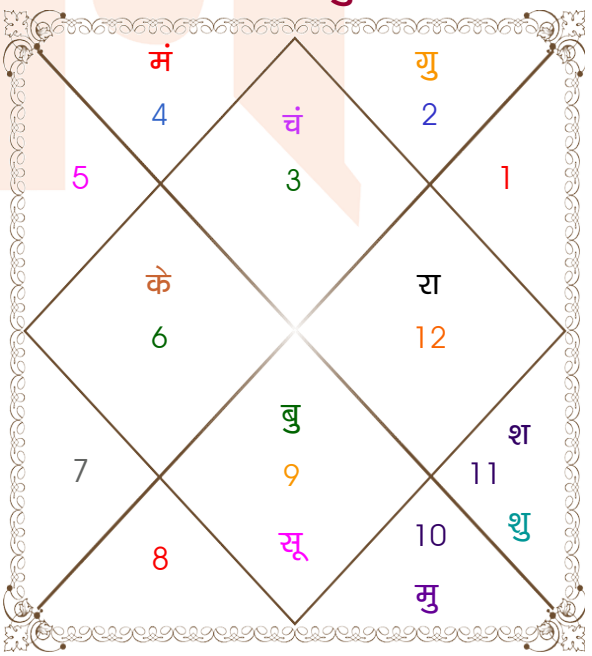

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - केतु - शुक्र		बुध - केतु - सूर्य		बुध - केतु - चंद्र		बुध - केतु - मंगल	
11/11/2025 10:33		10/01/2026 19:23		28/01/2026 22:02		28/02/2026 02:26	
10/01/2026 19:23		28/01/2026 22:02		28/02/2026 02:26		21/03/2026 05:32	
शुक्र	21/11/2025 12:02	सूर्य	11/01/2026 17:07	चंद्र	31/01/2026 10:24	मंगल	01/03/2026 08:01
सूर्य	24/11/2025 12:28	चंद्र	13/01/2026 05:20	मंगल	02/02/2026 04:39	राहु	04/03/2026 12:05
चंद्र	29/11/2025 13:12	मंगल	14/01/2026 06:41	राहु	06/02/2026 17:19	गुरु	07/03/2026 07:42
मंगल	03/12/2025 01:43	राहु	16/01/2026 23:53	गुरु	10/02/2026 17:54	शनि	10/03/2026 15:59
राहु	12/12/2025 03:03	गुरु	19/01/2026 09:50	शनि	15/02/2026 12:36	बुध	13/03/2026 15:49
गुरु	20/12/2025 04:13	शनि	22/01/2026 06:39	बुध	19/02/2026 19:14	केतु	14/03/2026 21:24
शनि	29/12/2025 17:37	बुध	24/01/2026 20:14	केतु	21/02/2026 13:29	शुक्र	18/03/2026 09:55
बुध	07/01/2026 06:52	केतु	25/01/2026 21:35	शुक्र	26/02/2026 14:13	सूर्य	19/03/2026 11:16
केतु	10/01/2026 19:23	शुक्र	28/01/2026 22:02	सूर्य	28/02/2026 02:26	चंद्र	21/03/2026 05:32

बुध - केतु - राहु		बुध - केतु - गुरु		बुध - केतु - शनि		बुध - केतु - बुध	
21/03/2026 05:32		14/05/2026 13:28		01/07/2026 20:32		28/08/2026 04:55	
14/05/2026 13:28		01/07/2026 20:32		28/08/2026 04:55		18/10/2026 12:25	
राहु	29/03/2026 09:07	गुरु	21/05/2026 00:01	शनि	10/07/2026 22:28	बुध	04/09/2026 11:23
गुरु	05/04/2026 14:59	शनि	28/05/2026 15:32	बुध	19/07/2026 01:27	केतु	07/09/2026 11:13
शनि	14/04/2026 05:26	बुध	04/06/2026 11:44	केतु	22/07/2026 09:44	शुक्र	16/09/2026 00:28
बुध	21/04/2026 22:10	केतु	07/06/2026 07:21	शुक्र	31/07/2026 23:08	सूर्य	18/09/2026 14:03
केतु	25/04/2026 02:14	शुक्र	15/06/2026 08:31	सूर्य	03/08/2026 19:57	चंद्र	22/09/2026 20:40
शुक्र	04/05/2026 03:33	सूर्य	17/06/2026 18:28	चंद्र	08/08/2026 14:39	मंगल	25/09/2026 20:30
सूर्य	06/05/2026 20:45	चंद्र	21/06/2026 19:04	मंगल	11/08/2026 22:56	राहु	03/10/2026 13:14
चंद्र	11/05/2026 09:25	मंगल	24/06/2026 14:40	राहु	20/08/2026 13:24	गुरु	10/10/2026 09:26
मंगल	14/05/2026 13:28	राहु	01/07/2026 20:32	गुरु	28/08/2026 04:55	शनि	18/10/2026 12:25

बुध - शुक्र - शुक्र		बुध - शुक्र - सूर्य		बुध - शुक्र - चंद्र		बुध - शुक्र - मंगल	
18/10/2026 12:25		08/04/2027 23:55		30/05/2027 17:46		24/08/2027 23:31	
08/04/2027 23:55		30/05/2027 17:46		24/08/2027 23:31		24/10/2027 08:21	
शुक्र	16/11/2026 06:20	सूर्य	11/04/2027 14:01	चंद्र	06/06/2027 22:15	मंगल	28/08/2027 12:02
सूर्य	24/11/2026 21:19	चंद्र	15/04/2027 21:30	मंगल	11/06/2027 22:59	राहु	06/09/2027 13:21
चंद्र	09/12/2026 06:16	मंगल	18/04/2027 21:56	राहु	24/06/2027 21:27	गुरु	14/09/2027 14:32
मंगल	19/12/2026 07:44	राहु	26/04/2027 16:13	गुरु	06/07/2027 09:25	शनि	24/09/2027 03:56
राहु	14/01/2027 04:40	गुरु	03/05/2027 13:48	शनि	20/07/2027 01:07	बुध	02/10/2027 17:11
गुरु	06/02/2027 04:36	शनि	11/05/2027 18:25	बुध	01/08/2027 06:20	केतु	06/10/2027 05:42
शनि	05/03/2027 12:01	बुध	19/05/2027 02:21	केतु	06/08/2027 07:04	शुक्र	16/10/2027 07:10
बुध	29/03/2027 22:27	केतु	22/05/2027 02:48	शुक्र	20/08/2027 16:02	सूर्य	19/10/2027 07:36
केतु	08/04/2027 23:55	शुक्र	30/05/2027 17:46	सूर्य	24/08/2027 23:31	चंद्र	24/10/2027 08:21

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकाशं कार्यो में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।